बहुविषयक स्नातक उपाधि-संस्कृत : पाठ्यक्रम विवरण

Multidisciplinary Bachelor's Degree in Sanskrit: Course Descriptions

मूल्ययोजनपाठ्यक्रमम्/Value Added Course (CVAC)

सेमेस्टर-01/VAC-1	**पुराणपरिचयः** **Introduction to Puranas**
क्रेडिट :02	कुल अङ्क 50 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 05 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 45 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से द्वादश कक्षा उत्तीर्ण
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* पुराण विषयक सामान्य परिचय प्राप्त होगा। * पुराणों के सामाजिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, दार्शनिक, साहित्यिक और नैतिक महत्त्व के अनुशीलन का बोध प्राप्त होगा।
इकाई 01:	पुराण-लक्षण, रचनाकाल, संख्या,वर्गीकरण, शैली, वर्ण्यविषय, पुराणों में भारतवर्ष
इकाई 02:	प्रमुख वैष्णव पुराणों की विस्तृत विषयवस्तु और सांस्कृतिक समीक्षा

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. पुराण विमर्श, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, त्रयोदश खण्ड (पुराण), संपादक- प्रो॰ गंगाधर पण्डा, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ

सेमेस्टर-01 **VAC-2**	**उपनिषद्-परिचयः** **Introduction to Upanishads**
क्रेडिट :02	कुल अङ्क 50 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 05 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 45 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से द्वादश कक्षा उत्तीर्ण
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* उपनिषदों के वर्ण्यविषय और महत्त्व को जान सकेंगे। * ईशावास्योपनिषद् और कठोपनिषद् के सिद्धान्तों से परिचित होकर उनकी व्यावहारिकता से अवगत हो सकेंगे।
इकाई 01:	अर्थ, रचनाकाल, संख्या, प्रमुख उपनिषदों के केन्द्रीय विचार, उपनिषदों की दार्शनिक विधियाँ, भाष्य-परम्परा, उपनिषदों के प्रमुख आख्यान, उपनिषदों पर पाश्चात्य विद्वानों के उल्लेखनीय कार्य
इकाई 02:	ईशावास्योपनिषद् और कठोपनिषद् में प्रतिपादित प्रमुख सिद्धान्तों की विस्तृत समीक्षा

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. ईशादि नौ उपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर
2. उपनिषदों का संदेश, डॉ. राधाकृष्णन्, राजपाल, दिल्ली
3. उपनिषदों की कहानियाँ/Stories of Upanishads (Bilingual: Hindi-English), जयकिशनदास सादानी, भारतीय विद्या मन्दिर, दिल्ली
4. उपनिषद्-अङ्क, गीताप्रेस, गोरखपुर
5. उपनिषदों का सन्देश, स्वामी रंगनाथानन्द, रामकृष्ण मठ, नागपुर
6. उपनिषदों की कहानियाँ, रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री, साहित्य भवन लिमिटेड, प्रयाग
7. The Principal Upanishads, S. Radhakrishnan, Oxford Press, Delhi

बहुविषयक स्नातक उपाधि-संस्कृत : पाठ्यक्रम विवरण

Multidisciplinary Bachelor's Degree in Sanskrit: Course Descriptions

Multidisciplinary Course (GE)

सेमेस्टर-01 **GE-1**	**संस्कृतसाहित्यपरिचयः** **Introduction to Sanskrit Literature**
क्रेडिट :03	कुल अङ्क : 75 (आन्तरिक मूल्याङ्कनः 10 अङ्क ,सत्र-परीक्षाः 65 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से द्वादश कक्षा उत्तीर्ण।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	संस्कृत साहित्य का परिचय प्राप्त होगा ।
इकाई 01:	संहिता साहित्य, आरण्यक साहित्य, ब्राह्मण साहित्य, उपनिषद् साहित्य, वेदाङ्ग
इकाई 02:	आर्षकाव्य, पद्यकाव्य, गद्यकाव्य तथा चम्पू, कथासाहित्य, पुराण साहित्य, महाकाव्य, शास्त्रकाव्य, चरितकाव्य, इतिहासविषयक विविध साहित्य
इकाई 03:	व्याकरण शास्त्र, ज्योतिषशास्त्र, आयुर्वेदशास्त्र, धर्मशास्त्र, संगीतशास्त्र, काव्यशास्त्र परम्परा, दर्शनशास्त्र, शब्दकोश (विलुप्तप्राय प्राचीन कोश,वैदिक शब्दकोश, लौकिक संस्कृत के शब्दकोश, आधुनिक कोश), आधुनिक संस्कृत में लेखन की विविध विधाएँ , विदेशी विद्वानों के संस्कृत कार्य

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (छात्रोपयोगी संस्करण), राधावल्लभ त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी
5. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. History of Classical Sanskrit Literature, M. Krishnamachariar, Motilal Banarsidas, Delhi
7. History of Sanskrit Literature, A.B. Keith, Motilal Banarsidas, Delhi
8. Gaurinath Shastri, A Concise History of Sanskrit Literature, Motilal Banarsidas, Delhi

सेमेस्टर-02 **GE-2**	**वैदिकसंस्कृतिः** **Vedic Culture**
क्रेडिट :03	कुल अङ्क : 75 (आन्तरिक मूल्याङ्कनः 10 अङ्क ,सत्र-परीक्षाः 65 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	देवनागरी लिपि से परिचय।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* प्रारम्भिक वैदिक काल के स्रोतों का परिज्ञान होगा । * वैदिक काल की संस्कृति, अर्थव्यवस्था, समाज, राजनीति, दर्शन एवं धर्म की विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे ।

इकाई 01:	आर्यों का आदि देश, आर्यभाषाओं का उद्गम और विकास, वैदिक भूगोल, आर्य और दस्यु, सामाजिक जीवन, आर्थिक जीवन
इकाई 02:	वैदिक भाषा, वेद की व्याख्या पद्धति, वेद के भाष्यकार, वैदिक देववाद, वैदिक तथा परवर्ती देवशास्त्र
इकाई 03:	वैदिक धर्मदर्शन की शाखाएँ

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा संस्थान, वाराणसी
3. भारतीय संस्कृति और कला, वाचस्पति गैरोला, उत्तर-प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
4. वैदिक देवता (उद्भव और विकास), गयाचरण त्रिपाठी, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
5. अमूर्त वैदिक देवता, लक्ष्मी मिश्रा, नाग पब्लिशर्स, दिल्ली
6. वैदिक देवों का आध्यात्मिक और वैज्ञानिक स्वरुप, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद्, ज्ञानपुर (भदोही)
7. भारतीय धर्मशाखाएँ और उनका इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
8. वैष्णव, शैव और अन्य धार्मिक मत, रामकृष्ण गोपाल भण्डारकर, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
9. The Heart of Indian Culture, Sri Aurobindo (Editor: R.L.Kashyap), SAKSHI Trust, Bangalore
10. A Complete Review of Vedic Literature: India's Ancient Library of Spiritual Knowledge, Stephen Knapp
11. Socialism in Vedic Literature, Pushpendra Kumar, Eastern Book Linkers, Delhi

बहुविषयक स्नातक उपाधि-संस्कृत : पाठ्यक्रम विवरण

Multidisciplinary Bachelor's Degree in Sanskrit: Course Descriptions

कौशलसंवर्धनपाठ्यक्रमम्/Skill Enhancement Course (SEC)

सेमेस्टर-01 **SEC-1**	**भारतीयवास्तुशास्त्रम्** **Indian Architecture**
क्रेडिट :03	कुल अङ्क : 75 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 10 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 65 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से द्वादश कक्षा उत्तीर्ण।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* वास्तुशास्त्र के सामान्य परिचय से एवं महत्व को जानेंगे। * वास्तुशास्त्र की ऐतिहासिक परम्परा और वर्तमान सन्दर्भ में उपयोगिता का परिज्ञान होगा। * आधुनिक समय में वास्तुशास्त्र की चुनौतियों से अवगत होंगे।
इकाई 01:	भारतीय वास्तुशास्त्र का उद्भव एवं विकासक्रम, वैदिक कला परम्परा, प्रमुख वास्तुशास्त्रीय ग्रन्थ, महत्व एवं उपयोगिता, वास्तु एवं पञ्चमहाभूत, वास्तुशास्त्र के क्षेत्र
इकाई 02:	भूमि एवं भूमि परीक्षण: गुणवत्ता, भूमि दोष और समाधान , भूमि के प्रकार, भूखण्ड के आसपास के क्षेत्र, भूखण्ड के समीप के मार्ग, शल्योद्धार, वास्तुचक्र, वास्तुपुरुष तथा उसके मर्म स्थान
इकाई 03:	शिलान्यास, भवन निर्माण, आवासीय वास्तु, वर्तमान सन्दर्भ में भवन निर्माण, बहुमंजीले भवन और आवासीय फ्लैट, व्यावसायिक भवन और औद्योगिक संस्थान, वास्तुदोष और समाधान

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. भारतीय वास्तुशास्त्र (वर्तमान सन्दर्भ में समग्र परिशीलन), शुकदेव चतुर्वेदी, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
2. भवन भास्कर, गीता प्रेस, गोरखपुर
3. प्राचीन भारतीय कला एवं वास्तु, पृथ्वी कुमार अग्रवाल, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. भारतीय वास्तुशास्त्र का इतिहास, विद्याधर, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली
5. Hindu Architecture in India and Abroad, Prasanna Kumar Acharya, New Bharatiya Book Corporation, Delhi
6. Vastu Astrology and Architecture, Gayatri Devi Vasudev, Motilal Banarsidass International
7. The Ancient Science of Vastu (3- Volumes), Jayshree Om and Siddharth Borad

सेमेस्टर-02 **SEC-2**	**भारतीयदर्शनम्** **Indian Philosophy**
क्रेडिट :03	कुल अङ्क : 75 (आन्तरिक मूल्याङ्कन: 10 अङ्क ,सत्र-परीक्षा: 65 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से द्वादश कक्षा उत्तीर्ण।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* भारतीय विचारधारा का सार प्रस्तुत होगा। * विभिन्न दार्शनिक सम्प्रदायों की आचार मीमांसा, ज्ञान मीमांसा,इत्यादि का अनुशीलन करने और विवेचना करने में समर्थ हो सकेंगे। * भारतीय धर्म और दर्शन के मध्य अन्तर का परिज्ञान होगा। * आधुनिक दार्शनिकों के सिद्धान्तों की समीक्षा करने में समर्थ हो सकेंगे।

इकाई 01:	प्राचीन भारत की प्राकृतिक स्थिति, दर्शन का तात्पर्य, भारतीय दर्शन की विशेषताएँ, भारतीय दर्शन के मूल स्रोत (मन्त्र-दर्शन, यज्ञ-दर्शन, उपनिषद्-दर्शन), वैदिक दर्शन और अवैदिक दर्शन
इकाई 02:	वैदिक दर्शन के प्रमुख आचार्य, साहित्य, सिद्धान्त एवं शाखाएँ, अवैदिक दर्शन के प्रमुख आचार्य, साहित्य, सिद्धान्त एवं शाखाएँ
इकाई 03:	अन्य दार्शनिक परम्पराएँ : वैष्णवदर्शन, पाञ्चरात्र, शैवदर्शन, शाक्तदर्शन, गाणपत्य, स्कान्द, सौर परवर्ती दार्शनिक और उनके सिद्धान्त : समकालीन भारतीय दर्शन की प्रवृत्तियाँ, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानन्द, स्वामी दयानन्द सरस्वती, महर्षि अरविन्द, स्वामी रामतीर्थ, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, रमण महर्षि, आचार्य विनोबा भावे, जे.कृष्णमूर्ति

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. भारतीय दर्शन की चिन्तनधारा, राममूर्ति चतुर्वेदी, चौखम्बा पब्लिशर्स, वाराणसी
2. भारतीय दर्शन, राधाकृष्णन, राजपाल, दिल्ली
3. भारतीय दर्शन की रुपरेखा, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली
4. भारतीय दर्शन, वाचस्पति गैरोला, लोकभारती प्रकाशन
5. ऋग्वेदीय दर्शन एवं प्रमुख दार्शनिक सूक्त, मुरलीमनोहर पाठक, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
6. समकालीन भारतीय दर्शन, लक्ष्मी सक्सेना, उत्तर-प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
7. समकालीन भारतीय दर्शन, बसन्त कुमार लाल, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स
8. समकालीन भारतीय दर्शन के कुछ मानववादी चिंतक : तुलनात्मक एवं समाक्षात्मक अध्ययन, प्रेमलता, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली
9. भारतीय धर्मशाखाएँ और उनका इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
10. वैष्णव, शैव और अन्य धार्मिक मत, रामकृष्ण गोपाल भण्डारकर, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
11. An Introduction to Indian Philosophy, Satischandra Chatterjee, Dhirendramohan Datta
12. Contemporary Indian Philosophy, Basant Kumar Lal, Motilal Banarsidass Publishers Pvt. Ltd.